वाशिंगटन□ □कन□ अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत की □क अरब से ज्यादा की आबादी को हर पांच साल पर सार्वभौमिक □चआईवी परीक्षण मुहैया कराने से लाखों जिंदगियों को बचाया जा सकता है और इससे किफायती रूप से महामारी का प्रबंधन किया जा सकता है□

यह दावा करने वाले वैज्ञानिकों में भारतीय शोधकर्ता भी शामिल हैं□ अध्ययन के अनुसार विशाल आबादी में से हर किसी का परीक्षण कराने से लाखों जानें बच सकती हैं□ यह तथ्य ''कॉस्ट इफेक्टिवनेस आफ प्रिवेंटिंग □ड्स कंप्लीकेशंस'' :सीईपी□सी: का इस्तेमाल करते हु□ भारत में □चआईवी के सावधानीपूर्वक विश्लेषण पर आधारित है□ फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और अन्य देशों में □चआईवी नीति तैयार करने में इसका उपयोग किया जा रहा है□

अध्ययन से जु□ी डा. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि इस मॉडल से देश को महामारी से ल□ने में मदद मिलेगी□ उन्होंने कहा कि □चआईवी रोकथाम की ओर देश के ब□ने में परीक्षण का विस्तार प्रमुख प्राथमिकता होगी□ नेशनल इंस्टीट्यूट फार रिसर्च इन ट्यूबरक्लोसिस की निदेशक सौम्या ने कहा कि इस अध्ययन से नीति निर्माताओं को बेहतर फैसले लेने में मदद मिलनी चाहि□□

भाषा